दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकार में भूमि

*286 **श्री राम जेठमलानी :**

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अगस्त 1991 को दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकार में लगभग 57 हजार एकड़ भूमि थी;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इसमें 546 एकड़ भूमि अनधिकृत कब्जे में थी;

(ग) यदि हां, तो दिसम्बर, 1993 तक दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा इसमें से कितनी भूमि को अनधिकृत कब्जे से मुक्त करा लिया गया था;

(घ) क्या यह भी सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण को भू-खण्डों तथा फ्लैटों के आवंटन हेतु 1,03,025 व्यक्तियों से आवेदन प्राप्त हुए हैं;

(ङ) क्या उक्त आवेदकों ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के पास लगभग 69 करोड़ रुपये जमा करा दिये हैं; और

(च) यदि हां, तो जनवरी, 1994 तक दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा आम लोगों की आवासीय समस्या का समाधान न कर पाने के क्या कारण हैं ?

शहरी विकास मंत्री (श्रीमती शीला कौल) : (क) बड़े पैमाने पर भूमि के अधिग्रहण विकास व निपटान की स्कीम के तहत अगस्त, 1991 तक अधिग्रहीत भूमि 57095 एकड़ थी। दिल्ली के योजनाबद्ध विकास में 52941 एकड़ भूमि काम आई है और केवल 4154 एकड़ भूमि ही डी०डी०ए० के पास बची है।

(ख) डी०डी०ए० के अनुसार उसके प्रबन्ध वाली भूमि पर अवैध कब्जों के बारे में कोई व्यापक सर्वे नहीं किया गया है। लेकिन करीब 1300 एकड़ नजूल-II भूमि अवैध कब्जे के अन्तर्गत बताई जाती है।

(ग) अवैध कब्जे हटाने का काम लगातार चलता रहता है। डी०डी०ए० द्वारा पिछले 6 वर्षों के हटाये गए अवैध निर्माणों और उनसे मुक्त भूमि का ब्यौरा इस प्रकार है:—

वर्ष	हटाये गए अवैध निर्माण	मुक्त की गई भूमि
1988-89	6731	47.75 एकड़
1989-90	10177	219.93 एकड़
1990-91	6304	286.42 एकड़
1991-92	4763	261.50 एकड़
1992-93	4058	284.64 एकड़
1993-94 (16.3.1994 तक)	3440	435.00 एकड़

(घ) डी०डी०ए० के अनुसार 1969 से लेकर अब तक प्लाट और आवास वाली विभिन्न स्कीमों में 421239 लोगों ने पंजीकरण कराया था।

(ङ) डी०डी०ए० के अनुसार प्लाट और आवास की विभिन्न स्कीमों में पंजीकृत लोगों द्वारा जमा राशि 163.90 करोड़ रुपये थी।

(च) दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अब तक अधिक मकान न बना पाने का मुख्य कारण भूमि, बिजली, पानी, बुनियादी सेवाओं और धन की कम उपलब्धि का रहा है।

Eleventh World Book Fair

*287. SYED SIBTEY RAZI : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether the 11th World Book Fair had been organised at New Delhi in February, 1994 ;